मासिक ई-समाचार पत्रिका

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, (समस्तीपुर) बिहार-848125

कुलपति महोदय का संदेश

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

मुझे विश्वविद्यालय की मासिक समाचार पत्रिका के वर्ष 2022 के इस पहले अंक को प्रस्तुत करते हुए बेहद खुशी हो रही है जिसने विश्वविद्यलय में वर्ष 2021 की विघटित अनेक उपलब्धियों और चुनौतियों को समाहित किया । विगत वर्ष की सबसे बड़ी चुनौती निवर्तमान कोरोना महामारी रही जिसने कृषि शिक्षा, अनुसंधान और कृषि प्रसार सहित पूरी मानवता और उससे संबंधित गतिविधियों को प्रभावित किया। मैं ईश्वर के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूं कि इनके आशीर्वाद एवं विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के सहयोग और समर्थन से हमारे विश्वविद्यालय ने न केवल अपनी शैक्षणिक गतिविधियों को सफलतापूर्वक अच्छी तरह से प्रतिपादित किया बल्कि किसान मेला- 2021, द्वितीय दीक्षांत समारोह-2021 और आई. एस. ए. ई. अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी जैसे आयोजन भी बिना किसी विघ्नता के पूर्ण किए । इस प्रकार के सभी प्रयास विश्वविद्यालय को अगले स्तर पर ले जाने के लिए हमारे धैर्य और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। वर्ष 2022 हमारे सामने है, आइए हम इसका स्वागत करें और सदैव आगे बढ़ने की इस निरंतरता को बनाए रखें। मुझे विश्वास है कि विश्वविद्यालय विगत वर्षों की तरह कई और उपलब्धियां हासिल करेगा। मैं विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए प्रत्येक सदस्य से योगदान का आवाह्न करता हूँ।

वर्ष 2022 के आरम्भ में, मैं सभी के लिए समृद्ध नव वर्ष की कामना करता हूँ साथ हीं सभी छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों को कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह भी देता हूँ । मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि परिसर में एवं इसके बाहर सभी लोग सुरक्षित एवं स्वस्थ रहें।

कुलपति महोदय की संलग्नता

- दिनांक 03.12.2021 को विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस, राजेंद्र जयंती और कृषि शिक्षा दिवस समारोह में भाग लिया।
- दिनांक 03.12.2021 को वर्चुअल मोड के माध्यम से भा.कृ.अनु.प. द्वारा आयोजित कृषि शिक्षा दिवस समारोह में भाग लिया।
- दिनांक 03.12.2021 को कृषि जागरण द्वारा आयोजित "सभी के लिए कृषि शिक्षा का महत्व" पर वेबिनार में अतिथि वक्ता के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 07.12.2021 को मुख्य अतिथि के रूप में कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, रा.प्र.के.कृ.वि. के 39वें स्थापना दिवस समारोह की अध्यक्षता की ।
- दिनांक 07.12.2021 को जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम से संबंधित संचालन समिति की बैठक में भाग लिया।

- दिनांक 08.12.2021 को "एकीकृत कृषि, प्राकृतिक कृषि, जैव विविधता संरक्षण और बदलते जलवायु परिदृश्य के अंतर्गत ग्रामीण जैव-उद्यमिता" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कृषि अपशिष्ट मुद्रीकरण के माध्यम से ग्रामीण रोजगार बनाना: भविष्य के लिए एक रणनीति" विषय पर मुख्य भाषण दिया।
- दिनांक 14.12.2021 को विद्यापति सभागार, रा.प्र.के.कृ.वि में "कुपोषण को कम करने और ग्रामीण युवाओं के बीच रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए मशरूम उत्पादन" पर विचार मंथन बैठक की अध्यक्षता की ।
- दिनांक 14.12.2021 को "जलवायु अनुकूल, कृषि और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए मृदा और जल प्रबंधन प्रौद्योगिकी" विषय पर भारतीय मृदा संरक्षण सोसायटी, नई दिल्ली के 30वें राष्ट्रीय वेब सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया।

- दिनांक 05.12.2021 को रा.प्र.के.कृ.वि की 10वीं शिक्षा परिषद के बैठक की अध्यक्षता किया।
- दिनांक 15.12.2021 को सतत विकास केंद्र, महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार द्वारा आयोजित कार्यक्रम "पारिस्थितिकी तंत्र आधारित आपदा जोखिम न्यूनीकरण और बिहार बाढ़ जोखिम न्यूनीकरण" में मुख्य अतिथि के रूप में एक ई-व्याख्यान दिया ।
- दिनांक 15.12.2021 को दूरदर्शन, पटना द्वारा प्रसारित "कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर" पर एक भाषण दिया।
- दिनांक 16.12.2021 को वर्चुअल मोड में भारतीय कृषि विश्वविद्यालय संघ की कार्यकारी समिति की बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 17.12.2021 को खाद्य प्रसंस्करण उत्कृष्टता केंद्र, रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा में यूनिसेफ द्वारा आयोजित वार्षिक समीक्षा और चिंतन बैठक में भाग लिया।

- दिनांक 20.12.2021 और 21.12.2021 को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची में भारतीय कृषि विश्वविद्यालय संघ के 45वें कुलपति सम्मेलन और वार्षिक आम सभा की बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 23.12.2021 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की के 5वें स्थापना दिवस की अध्यक्षता की।
- दिनांक 23.12. 2021 को 15 दिनों के अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला कार्यक्रम "कृषि 2.0 स्मार्ट कृषि, स्थिरता, कृषि नवाचार" में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और बाढ़ संभावित क्षेत्र के लिए आपदा-स्थायी विकास रणनीतियों का विकास" विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- दिनांक 24.12.2021 को कृषि प्रसार विभाग, रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा में "कृषि उद्यमिता विकास" पर एक दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन किया।
- दिनांक 25.12.2021 को सांस्कृतिक संगठन "संस्कार भारती" द्वारा आरडीएस कॉलेज के सभागार में आयोजित "भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी एवं पं. मदन मोहन मालवीय जी" के जयंती कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया।

खंड -3, अंक -1
जनवरी, 2022

संरक्षक :
डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

संकलन एवं संपादन :
डॉ. (राकेश मणि शर्मा,
पी. कु. प्रणव,
एम.एल. मीणा
कुमारी सपना
आशीष कु.पंडा
सुधा नंदनी
गुप्तनाथ त्रिवेदी)

तकनीकी सहयोग:
मनीष कुमार

मुद्रण:
प्रकाशन प्रभाग,
डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय
कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्क: www.rpcau.ac.in
publicationdivision@rpcau.ac.in

शिक्षा और शैक्षिक गतिविधियां

➢ **कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय , रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा** ने 7 दिसंबर, 2021 को अपना 39वां स्थापना दिवस आयोजित किया। स्वागत भाषण में, डॉ. अंबरीश कुमार अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय ने गणमान्य व्यक्तियों को पिछले वर्ष के दौरान महाविद्यालय की विभिन्न उपलब्धियों से अवगत कराया। मुख्य अतिथि माननीय कुलपति, डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव, ने नए शैक्षणिक कार्यक्रम और विभाग की शुरुआत के बाद महाविद्यालय में पिछले 2 वर्षों के दौरान की गई पहल की सराहना की। इस अवसर पर डॉ. एम.एन. झा, निदेशक शिक्षा, डॉ. एम. कुमार, निदेशक अनुसंधान, सहित सभी अधिष्ठाता एवं निदेशक उपस्थित रहे। स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के छात्रों को विभिन्न सांस्कृतिक और साहित्यिक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

➢ **शैक्षणिक प्रबंधन मॉड्यूल की विशेषताओं पर चर्चा** हेतु दिनांक 22 दिसंबर, 2021 को माननीय कुलपति की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, विभागों के विभागाध्यक्ष और शैक्षणिक प्रभारी की एक बैठक आयोजित की गई । राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एन.ए.एच.ई.पी.) के तहत विकसित की जा रही एकीकृत विश्वविद्यालय प्रबंधन प्रणाली (आई.यू.एम.एस.) का लाइव डेमो प्रस्तुत किया गया। अकादमिक प्रबंधन मॉड्यूल की संरचना और विशेषताओं को परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ एस. के. जैन और डॉ एस. के. पटेल द्वारा प्रस्तुत किया गया।

➢ **मृदा और जल अभियांत्रिकी विभाग,** कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, पूसा ने स्नातक एवं परास्नातक छात्रों के लिए प्रायोगिक शिक्षण कार्यक्रम (ई.एल.पी.) के तहत 27-29 दिसंबर, 2021 तक गंडक नदी के वाल्मीकिनगर रिज़र्व में स्थित गंडक बैराज के लिए एक शैक्षिक दौरे का आयोजन किया। भ्रमण के दौरान एक कार्यपालक अभियंता एवं बैराज के प्रभारी द्वारा बैराज गेट को खोलने व बंद करने के लाइव फंक्शन का विद्यार्थियों के समक्ष प्रदर्शन किया गया। छात्रों ने पं. दीनदयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, पिपराकोठी परिसर का भ्रमण भी किया । इस दौरे का आयोजन और समन्वयन टूर इन-चार्ज, ई. सुदर्शन प्रसाद एवं ई. एस. के. निराला ने किया।

➢ **तिरहुत कृषि महाविद्यालय , ढोली** के वैज्ञानिकों ने 24-26 दिसंबर, 2021 तक हॉलिडे होम, रांची, झारखंड में खाद्य, कृषि और नवाचार (आईसीएफएआई-2021) विषय पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (हाइब्रिड मोड) में भाग लिया और पेपर प्रस्तुत किये।

➢ **दिनांक 31.12.2021 को** इंस्ट्रुमेंटेशन बिल्डिंग में अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली की अध्यक्षता में शिक्षक परिषद, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में महाविद्यालय विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा की गई।

➢ **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** ने सफलतापूर्वक स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा आयोजित कर मौखिक परीक्षा की प्रस्तुति भी पूरी की। RAWE और AIA के तहत समय पर आंतरिक ग्रेड शीट भी जमा किया गया।

➢ **मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली** के सातवीं सेमेस्टर स्नातक के छात्रों (बैच 2018-19) ने विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रो में इन-प्लांट प्रशिक्षण और ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (RAWE) कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया एवं महाविद्यालय के शैक्षणिक विभाग में ससमय रिपोर्ट प्रस्तुत किया।

➢ **मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली** के "मानसून सत्र , 2021" की अंतिम परीक्षा, स्नातक द्वितीय वर्ष (बैच 2020-21) और पाँचवे वर्ष (बैच 2019-20)के छात्रों के लिए दिनांक 1.12.2021 से 13.12.2021 तक आयोजित की गयी । परास्नातक के तृतीय सेमेस्टर के छात्रों की अंतिम परीक्षा का आयोजन 27.12.2021 से 15.12.2021 तक किया गया।

➢ **स्टूडेंट रेडी कार्यक्रम के तहत मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली** के परास्नातक के 7वें सेमेस्टर के छात्रों (बैच 2018-19) के लिए चार दिवसीय अध्ययन यात्रा का आयोजन 14 से 17 दिसंबर 2021 तक भा.कृ.अनु.प. -राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, लखनऊ, के चिनहट केंद्र, लखनऊ और मगरमच्छ प्रजनन केंद्र, कुकरैल में किया गया।

अनुसंधान गतिविधियाँ

- **अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा** मक्का फसल पर आदिवासी उप-योजना के तहत 17-19 दिसंबर, 2021 तक संतपुर, वाल्मीकिनगर में तीन दिवसीय प्रशिक्षण-सह-बीज वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह गाँव बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में स्थित है। इस आयोजन में पचहत्तर (75) किसानों ने भाग लिया, जिनमें से 90% महिलाएं थीं। समापन समारोह में निदेशक अनुसंधान, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा और अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने भाग लिया। "वैज्ञानिक तरीकों से रबी मक्का की खेती" शीर्षक से एक तकनीकी बुलेटिन जारी किया गया तथा किसानों के बीच बायो फोर्टिफाइड क्यूपीएम मक्का बीज, कीटनाशक और जैव उर्वरक का वितरण किया गया।

- **निदेशक अनुसंधान, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा** ने 23 दिसंबर, 2021 को मक्का और आलू पर भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना कार्यक्रम में चल रहे परीक्षणों की निगरानी के लिए तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली परिसर का दौरा किया। दौरे के दौरान अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली और अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना के सभी वैज्ञानिक भी उपस्थित रहे।

- **मत्स्य प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन के माध्यम से उद्यमिता विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन** - भा.कृ.अनु.प - केंद्रीय मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईएफटी), कोचीन के सहयोग से एस.सी-एस.पी कार्यक्रम के तहत "मछली प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के माध्यम से अनुसूचित जाति (एस.सी) समुदाय के बीच उद्यमिता विकास" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सरैया, मुजफ्फरपुर के प्रतिभागियों के लिए दिनांक 6 से 8 दिसंबर, 2021 को किया गया । डॉ. तनुश्री घोड़ाई और डॉ. अदिता शर्मा क्रमशः इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की समन्वयक और सह-समन्वयक रहीं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मछली पापड़ बनाने की विधि का प्रदर्शन किया गया और प्रतिभागियों द्वारा 250 से अधिक मछली पापड़ तैयार किए गए।

- **विद्यापति सभागार में दिनांक 14-15 दिसंबर, 2021 के दौरान विचार मंथन बैठक का आयोजन**, रा.प्र.के.कृ.वि, , पूसा द्वारा "ग्रामीण युवाओं के बीच कुपोषण को कम करने और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए मशरूम उत्पादन" पर विचार मंथन बैठक का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय कुलपति, डॉ. आर. सी. श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि के रूप में की । इस कार्क्रम में पूर्व निदेशक, डी.एम.आर सोलन, डॉ मंजीत सिंह ,डॉ. मिथिलेश कुमार, निदेशक अनुसंधान, रा.प्र.के.कृ.वि, और डॉ. एस. रॉय चौधरी, अधिष्ठाता, आधार विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, रा.प्र.के.कृ.वि, भी उपस्थिति रहे । विभिन्न तकनीकी सत्रों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों के प्रगतिशील मशरूम उत्पादकों ने मुख्य अतिथि और अन्य अतिथि वक्ताओं के साथ भाग लिया और बातचीत की। डॉ. मंजीत सिंह ने बिहार में मशरूम के लिए एफ.पी.ओ बनाने पर जोर दिया. अतिथि वक्ता, पेटेंट अधिकारी, नई दिल्ली, श्री आशीष प्रभात ने मशरूम के मूल्य वर्धित उत्पादों और उनके पेटेंट से संबंधित आई.पी.आर मुद्दों पर इंटरैक्टिव तकनीकी सत्र के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित किया। उप-निदेशक, बागवानी, बिहार सरकार, श्री राकेश सिंह ने मशरूम उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली राज्य सरकार की योजनाओं और विभिन्न वित्त संबंधी मुद्दों पर बात की। इस अवसर पर, माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा ने मेहमानों के साथ मशरूम के विभिन्न स्टालों का भ्रमण भी किया।

- **प्रसार शिक्षा विभाग, कृषि परास्नातक महाविद्यालय, पूसा** द्वारा अपने परिसर में 24 दिसंबर, 2021 को "कृषि उद्यमिता विकास-उद्यम के लिए विचार" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय कुलपति, डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव ने किया, जिन्होंने ग्रामीण आजीविका के विभिन्न क्षेत्रों जैसे मशरूम, फल संरक्षण, मुर्गी पालन, मधुमक्खी पालन और जैविक खेती का प्रतिनिधित्व करने वाले 20 उद्यमियों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में निदेशक अनुसन्धान, अधिष्ठाता, कृषि परास्नातक महाविद्यालय, और डॉ. बी. कुमार, स्कॉलर इन रेजिडेंस भी मौजूद रहे। विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने स्वागत भाषण दिया। कार्यशाला में उद्यमशीलता के लक्षण, प्रेरणा, उद्यमशीलता की यात्रा में आई.सी.टी और प्रतिभागियों के बीच समूह अभ्यास और कार्य विश्लेषण के साथ-साथ मूल्य श्रृंखला विश्लेषण पर तकनीकी सत्र शामिल रहे। विभाग के स्नातकोत्तर वर्ष के छात्रों ने सूत्रधार के रूप में कार्य किया।

प्रसार गतिविधियाँ

- **कृषि विज्ञान केंद्र, सारण** ने 02 एफ.एल.डी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पहला आयोजन विषय वस्तु विशेषज्ञ (मृदा विज्ञान) द्वारा "गेहूं की उत्पादकता वृद्धि (एचडी-2967)" पर एवं दूसरा विषय वस्तु विशेषज्ञ (मछली पालन) द्वारा "वाटर सैनिटाइज़र और विटामिन-खनिज मिश्रण जोड़ने के बाद मछलियों के विकास का आकलन" का आयोजन किया। दोनों एफ.एल.डी को सारण जिले के 06 किसानों के साथ आयोजित किया गया।
- **कृषि विज्ञान केंद्र, सारण** ने दिनांक 16-12-2021 को "प्राकृतिक खेती" पर प्रधानमंत्री लाइव प्रसारण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यक्रम में 300 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

दिनांक 23-12-2021 को किसान दिवस के अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र, सारण ने किसान गोष्ठी-सह-प्रशिक्षण का आयोजन किया। इस कार्यक्रम से कुल 80 किसान और किसान महिलाएं लाभान्वित हुई। बाद में, उन्हें औषधीय पौधे दिए गए और सतत विकास के लिए प्राकृतिक खेती का अभ्यास करने के लिए अवगत कराया गया। इसके अलावे कृषि विज्ञान केन्द्र, सारण ने दिनांक 27-28 दिसंबर, 2021 के दौरान आत्मा द्वारा आयोजित किसान मेला सह फल-फूल प्रदर्शनी में भाग लिया और अपने मॉडलों का प्रदर्शन किया।

➢ **रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के कुलसचिव** डॉ. पी.पी. श्रीवास्तव ने अपनी टीम के साथ कृषि विज्ञान केंद्र, परसौनी पूर्वी चंपारण-द्वितीय का दौरा किया और "ताजा पानी में मछली एवं झींगा की खेती" विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन ए में किसानों के बीच व्याख्यान दिया। उन्होंने इंग्लिश पहाड़पुर में प्रगतिशील किसान सुरेंद्र सिंह की फिश हैचरी इकाई का दौरा किया और के.वी.के, परसौनी के प्रशिक्षण और प्रसार गतिविधियों पर संतोष व्यक्त किया।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, परसौनी, पूर्वी चंपारण-द्वितीय** ने डॉ. एम. एस. कुंडू, निदेशक प्रसार शिक्षा, रा.प्र.के.कृ.वि.,पूसा की अध्यक्षता में तीसरी SAC बैठक आयोजित की गई के.वी.के की कार्य प्रगति को वरिष्ठ वैज्ञानिक और के.वी.के परसौनी अध्यक्ष, डॉ. ए.पी. सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर डॉ. के.जी मंडल, निदेशक, एम.जी.आई.एफ.आर.आई., पिपराकोठी, मोतिहारी, सहित राज्य सरकार और नाबार्ड के अन्य अधिकारी भी उपस्थिति रहे ।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, भगवानपुर हाट सीवान- ग्राम जीरादेई** में सामुदायिक सिंचाई के लिए सिंगल फेज सबमर्सिबल पंप का लोकार्पण किया गया उक्त मौके पर माननीय सांसद, सीवान प्रतिनिधि श्री अजय सिंह, डॉ. एम. एस. कुंडू, निदेशक प्रसार शिक्षा, रा.प्र.के.कृ.वि.,पूसा, परियोजना निदेशक, डॉ. एस. के. जैन, उप. निदेशक प्रसार, डॉ. पुष्पा सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक और के.वी.के सीवान के प्रमुख, वैज्ञानिकों और भाग लेने वाले अन्य किसान भी उपस्थित रहे। दिनांक 05.12.2021 को कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस भी आयोजित किया गया तथा केंद्र के वैज्ञानिकों ने मृदा स्वास्थ्य पर व्याख्यान दिया।

कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की ने दिनांक 20.12.2021 को चौथी वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एस.ए.सी) की बैठक का आयोजन किया जिसमें एस.एसी के 40 सदस्यों ने निदेशक प्रसार शिक्षा, डॉ. एम.एस. कुंडू, अधिष्ठाता तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली, डॉ. ए.के. सिंह, अधिष्ठाता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, पिपराकोठी, डॉ. कृष्ण कुमार ने प्रगतिशील किसानों और आगा खान फाउंडेशन सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों के उपस्थिति में भाग लिया। इसके अलावा, कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की ने 23 दिसंबर 2021 को सेमिनार हॉल में अपना 5वां स्थापना दिवस मनाया। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में माननीय कुलपति डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव, सहित अन्य अधिष्ठाता और निदेशकगण भी उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केंद्र तुर्की ने दिनांक 27.12.2021 को माननीय कुलपति, डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव ने के.वी.के तुर्की फार्म का क्षेत्रीय दौरा दौरा किया और प्रशासनिक भवन, किसान छात्रावास और चारदीवारी के निर्माण कार्य के प्रगति की समीक्षा की। कार्यक्रम के दौरान डॉ. एम.एस. कुंडू, डॉ. पुष्पा सिंह, डॉ. एस.के. जैन, डॉ. एम.एल. मीना एवं अभियंता श्री सुमंत कुमार मौजूद थे।

पुरस्कार, खेल इत्यादि गतिविधियाँ..

डॉ. विनय कुमार शर्मा, प्राध्यापक और प्रमुख, कृषि जैव प्रौद्योगिकी और आणविक जीव विज्ञान विभाग को उनके सराहनीय शैक्षणिक और वैज्ञानिक योगदान के लिए राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी फैलोशिप अवार्ड-2021 प्रदान किया गया। कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर, ओडिशा में 12 से 13 दिसंबर, 2021 तक अपशिष्ट प्रबंधन और सतत विकास (WMSD - 2021) के लिए पर्यावरण प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी द्वारा यह पुरस्कार प्रदान किया गया। डॉ. शर्मा को विज्ञान, समाज और प्रकृति के क्षेत्र में उनके सराहनीय योगदान के लिए जी.ई.सी.ए फैलोशिप अवार्ड-2021 भी मिला। यह पुरस्कार ग्लोबल एनवायरनमेंट एंड सोशल एसोसिएशन द्वारा पर्यावरण और समाज पर तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICES -2021) के दौरान (23 से 25 दिसंबर, 2021) प्रदान किया गया ।